विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

सावधान! जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी संकट में।

जलवायु परिवर्तन का संकट किसी एक देश का नहीं है अपितु धरती के सभी देश इस संकट से ग्रसित हैं। यह ग्लोबल संकट है, अत: प्रत्येक व्यक्ति को जो कुछ वह कर सकता है, देश के विकास व खुशहाली के लिये, करना चाहिये।

हमारी धरती संकट में है। कार्बन उत्सर्जन के फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्यान्न, सुरक्षा, आजीविका, पानी, पर्यावरण, बीज, स्वास्थ्य और धरती पर विपरीत असर पड रहा है। कहीं तूफान है, तो कहीं पर सूखा है। कहीं भुखमरी है तो कहीं मानव व जानवर बीमारियों से झूझ रहे हैं। नई-नई बीमारियां फैल रही हैं। नदियां सूख रही हैं। पहाड पिघल रहे हैं, पीने का पानी जहर बनने जा रहा है। मौसम बदल रहे हैं। तूफान और बाढ से बस्तियों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है, समुद्र अपनी सीमा लांघ चुका है। अनाज की पैदावार कम हो गई है, धरती बंजर बनती जा रही है। जून 1992, रियो डी जेनिरो में पृथ्वी सम्मेलन (Earth Summit) हुआ जहां तापमान 1.5 डिग्री से. से अधिक बढने से सभी 122 देश चिंतित थे। सबको यह जानकारी दी गई कि 1.5 डिग्री से. से 2 डिग्री से. तक या इससे अधिक तापमान बढा तो स्थिति भयंकर हो सकती है। संसार के देशों के मध्य क्यूटो प्रोटोकॉल हुआ, इससे भी सफलता नहीं मिली। पेरिस एग्रीमेन्ट ने जरूर कुछ आशायें जगाई हैं। किन्तु यह स्व:विवेक पर आधारित है। इसे लागू करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। भविष्य अंधकार में है। सन 1992 में जो मिटिंग हुई थी उसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एवं विकास सम्मेलन (United Nations Conference on Environment and Development-UNCED) का नाम दिया गया है इसे Earth Summit (पृथ्वी सम्मेलन) भी कहते हैं। इस संबंध में जो सम्मेलन हुआ उसे संयुक्त राष्ट्र का प्रारूप सम्मेलन नाम दिया। इस संबंध में होने वाले सम्मेलन को कॉप कहते हैं। इसका अर्थ है 'कॉन्फरेन्स ऑफ पीपुल्स'।

मानव के अधिकारों की घोषणा से संयुक्त राष्ट्र संघ का जन्म हुआ। मानव के अधिकारों में मानव के गरिमा मय जीने के अधिकार को मजबूत आधार मिला। सतत विकास के लक्ष्य पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का रियो (2012) का परिणाम दस्तावेज हमारी भविष्य का कल्पना है और सतत विकास के 17 लक्ष्य व 169 निर्देश निर्धारित किये गये हैं, वे हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगे। इसके द्वारा मानववादी संस्कृति से आगे बढकर धरती माँ के अधिकारों पर अपनी सोच को विस्तार दिया है। मानव के अतिरिक्त अन्य भी प्राणी हैं जो मिलकर पृथ्वी को बनाते हैं। हमने तो नदियों को भी प्राणी माना है। हमने धरती का अविवेकपूर्ण दोहन किया है जबकि सभी प्राणियों को समान अधिकार है। हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है, **''सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया, सर्वे भद्राणी पश्यन्तु मा कश्चिदु:ख भाग्यभवेत''**। इसी मूल मंत्र से हमें धरती को बचाना है।

Earth Summit (पृथ्वी सम्मेलन) से अभी तक कार्बन उत्सर्जन को कम करने का कोई उपाय हमने नहीं के बराबर किया है। हमारे पापों के कारण जैव विविधता को बचाने में हम समर्थ नहीं दिखाई दे रहे हैं। जैव विविधता में लगभग एक मिलियन प्रजातियां एजम्पो समाप्त (विलोपित) होने के कगार पर हैं। 22 अप्रेल, 2023 को मदर अर्थ डे (Mother Earth Day) मनाया है अन्तर्राष्ट्रीय दिवस 22 मई को है इस दिन हमें जैव विविधता को पुन: उसी स्थिति में लेकर आने का संकल्प लेना है।

वर्तमान में भारत में उत्तर व अन्य हिमालय रीजन में जो तूफान आये हैं, जो बरबादी हुई है, हिमालय पिघला है, धरती हिली है। मोका तूफान ने राजस्थान में भीषण गर्मी के दिनों को (मई माह में) भी सर्दी का अहसास कराया है। इन प्रकृति के ताण्डवों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन सच्ची घटना है।

सन 1992 से अप्रेल 2023 तक कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं, किन्तु हमें प्रयत्न करना होगा कि कार्बन उत्सर्जन पेरिस एग्रीमेन्ट के अनुसार हो पाये और किसी भी कीमत पर 2 डिग्री से. को छू नहीं सके।

भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण जो पर्यावरण की स्थिति है, बहुत नाजुक दौर में है। कोयले के स्थान पर पानी हवा सूर्य की एनर्जी से देश में बिजली बनाने का वैकल्पिक कार्य अच्छी गति से चल रहा है। जंगलों के विस्तार का भी देश की सरकार ने काम किया है किन्तु उसे सन्तोषजनक नहीं कह सकते हैं। संसार के विकसित देश 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिये उत्तरदायी हैं, इस स्वीकृत स्थिति है। अत: जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले नुकसान के वे ही जिम्मेदार हैं, किन्तु छोटे देश जिनका कोई कसूर नहीं है, वे यह जानकर हैरान हैं कि उन्हें किस पाप की सजा दी जा रही है।

क्योटो प्रोटोकॉल अथवा पेरिस एग्रीमेन्ट अथवा अन्य संधि में कहीं भी इस बात का उल्लेख अथवा प्रावधान नहीं है कि यदि कोई मेम्बर अन्तर्राष्ट्रीय एग्रीमेन्ट के प्रावधानों की अवज्ञा करता है तो उसके विरूद्ध कोर्ट की कार्यवाही का क्या प्रावधान है? क्योटो प्रोटोकॉल में प्रावधान है, केस आर्बीट्रेशन में जा सकता है, किन्तु आर्बीट्रेशन उसी समय प्रभावशील होगा जब आरोपी आर्बीट्रेशन को स्वीकार करे। इसका अर्थ है कानूनी कार्यवाही अथवा कोर्ट की कार्यवाही सम्भव नहीं है। एक छोटे से देश Vanuatu जो जलवायु परिवर्तन से पीडित है ने इस संबंध में एक रेजोल्यूशन (प्रस्ताव) यूएन असेम्बली में पारित कराया है कि इस बाबत International Court of Justice से कानूनी सलाह (Legal Opinion) ली जावे। इसके अतिरिक्त Internatinoal Tribunal on Climate Change Dispute की स्थापना हो इस बाबत उचित कार्यवाही करें। साधारण रूप में हमारे देश में अनुच्छेद 21 और 1966 के सिविल कॉवेनेन्ट जैसा प्रावधान लगभग सभी देशों के संविधान में है। प्रदूषण के कारण कोई विवाद है तो वह मानव अधिकारों को प्रभावित करता है। संविधान में जो मौलिक अधिकार दिये हैं तथा राज्य की नीति के निदेशक तत्व में जो सामाजिक व आर्थिक अधिकार माने जाते हैं वे सब मानव अधिकार ही हैं। मानव अधिकार डोमेस्टिक कोर्ट (Domestic Court) में प्रवर्तनशील है। यहां पर मानव अधिकार का उल्लंघन है, अत: एक देश अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस में न्याय प्राप्त करने के लिये जा सकता है। यह भी रास्ता न्याय प्राप्त करने का हो सकता है कि अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस से अनुमति प्राप्त कर कोर्ट में कार्यवाही की जावे। सतत विकास के लक्ष्य में गोल-15 में जीवन व जमीन के अधिकार की बात का उल्लेख है, उसे अधिकार माना गया है। अर्थ डे, 22.04.2023 पर यूएन सेक्रेटरी जनरल एन्टोनिओ गेटेरेस (Antonio Guterres) ने सब मेम्बर देशों को संदेश भेजकर निर्देश दिये हैं कि SDG kesâ 15Jesb Goal cesb Biodiversity Loss की बात है और इसे Biological Diversity से पानी, दवा, शेल्टर आदि के सन्दर्भ में जीवन को Sustain करने के हेतु आवश्यक माना है। जैव विविधता समाप्त होने की कगार पर है, 100 मिलियन हेक्टेयर फोरेस्ट भूमि समाप्त हो रही है तथा 150 मिलियन हेक्टेयर उपजाऊ भूमि के नुकसान से फूड व पीने के पानी की सुरक्षा को खतरा है। इससे उक्त देश के निवासियों के अधिकार खण्डित हुये हैं।

भारत की सिविल सोसायटी सिकोयडिकोन, पैरवी व वियोण्ड कॉपनहेगन ने और अब मौसम ने कॉप की कोर्नर मिटिंग्स् में सुझाव रखा था कि पेरिस एग्रीमेन्ट को सफल बनाना है तो उसे प्रवर्तनकारी बनाना होगा। भारत की उक्त सिविल सोसायटीज ने ब्रिटेन की सोसायटी से मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की स्थापना के हेतु कुछ कदम उठाये थे। यहां तक कि अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की स्थापना की मांग के साथ, ऐसी पर्यावरण ट्रिब्यूनल का विधान भी बनाया था और इस बात की सहमति हुई थी कि उसका कार्यालय भारत के मुम्बई शहर में होगा। भारत के पर्यावरण मंत्री स्व. अनिल माधव दवे को एक रिप्रेजेन्टेशन भी प्रस्तुत किया था, किन्तु उनके निधन के कारण यह बात आगे बढ नहीं सकी। पुन: इस ओर कदम उठाने का काम प्रारम्भ हो चुका है, जिसका उल्लेख अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण विशेषज्ञ सोमदत्ता के पत्र दिनांक 30.03.2023 से हुआ है। भारत की उक्त सिविल सोसायटीज को पुन: इस ओर कदम उठाना होगा और जो प्रस्ताव यूएन जनरल एसेम्बली में पारित हुआ उसे लागू कराने पर जोर देना होगा। प्रदूषण फैलाने वाले देशों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की जा सकती है, इस प्रश्न पर अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस से राय ली जावे कि दोषी देशों के विरूद्ध क्या कार्यवाही हो।

वर्तमान में भारत में उत्तर व अन्य हिमालय रीजन में जो तूफान आये हैं, जो बरबादी हुई है, हिमालय पिघला है, धरती हिली है। मोका तूफान ने राजस्थान में भीषण गर्मी के दिनों को (मई माह में) भी सर्दी का अहसास कराया है। इन प्रकृति के ताण्डवों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन सच्ची घटना है।

सावधान! पृथ्वी संकट में है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सांभर मे रोड लाइटें बंद होने से लोग परेशान

सांभरझील, (निसं)। यहां नया बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी व पांच बत्ती चौराहा से न्यू मार्केट की तरफ जाने वाले रास्ते तक संपूर्ण रोड लाइटें विगत कई दिनों से देर तक चालू नहीं की जा रही है। शुक्रवार को भी देर शाम करीब 8 बजे तक रोड लाइटें चालू नहीं हो सकी थी। रोड लाइटें बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- **पैसा बचाने के लिए सांभर पालिका ने रोड लाइटों में कटौती की**

पांच बत्ती चौराहा पर सौंदर्यीकरण के नाम पर जिस खूबसूरत लाइट को करीब 50 हजार से अधिक खर्च कर लगवाया गया था। उसका भी कुछ सार्थक परिणाम निकल के सामने नहीं आ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पालिका की ओर से निगम की चल रही बकाया राशि का भुगतान का मामला अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है और रोड लाइटें देर तक बंद रखकर पालिका की ओर से आर्थिक बचत किए जाने की जुगाड़ की जा रही है, ताकि रोड लाइटों का बिल कम से कम आए जबकि इन रोड लाइटों का नियमानुसार पैसा आम जनता से नगरीय उपकर में जोड़कर भी वसूला जाता है। लोगों का कहना है कि यदि पालिका प्रशासन रोड लाइटें और सफाई व्यवस्था पर ही पूरा रखरखाव नहीं कर पाती है तो फिर इस डिपार्टमेंट को सरकार को रखने का औचित्य ही क्या है। इस मामले में न तो यहां के जनप्रतिनिधि कोई विरोध कर रहे हैं और न ही लंबे समय से प्रशासन की ओर से कुछ समाधान किया जा रहा है।

सांभर पालिका क्षेत्र में कई जगहों पर रोड़ लाईट बन्द रहने से आमजन को परेशानी हो रही है।

महंगाई राहत शिविरों में रजिस्ट्रेशन के लिए नाममात्र लोग पहुंच रहे हैं

पावटा, (निसं)। मुख्यमंत्री महंगाई राहत शिविरों में अब सन्नाटा पसरने लग गया है। स्थिति यह है कि नाममात्र के लोग रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंच रहे हैं।

- **नगरपालिका का दावा है कि 9100 परिवारों में से 7400 ने करवाया पंजीकरण**

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका का दावा है कि नगरपालिका क्षेत्र के 9100 परिवारों में से 7400 से अधिक परिवारों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका परिसर में स्थाई और वार्डों के तहत आदर्श रामलीला मैदान पावटा में एक अस्थाई मुख्यमंत्री महंगाई राहत शिविर का आयोजन 24 अप्रेल से नियमित जारी है। स्थिति यह है कि गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे आदर्श रामलीला मैदान पावटा शिविर में लगाई गई अधिकांश कुर्सियां खाली रही।

उल्लेखनीय है कि शिविरों में भीड़ उमड़ने के कारण पूर्व में अतिरिक्त काउंटर लगाने पडे थे। अस्थाई शिविर के कारण थोड़ी भीड़ कम हुई है। अस्थाई शिविर अन्य वार्डों में लगने पर फिर से भीड आने लगेगी। वहीं शिविर में जोधपुरा निवासी चंदूलाल, भैसलाणा निवासी कैलाश चंद, पावटा निवासी मोतीलाल, काशीराम लंबोरा सहित ग्रामीणों ने बताया कि शिविर में आते हैं लेकिन 11 बजे तक अधिकारी नहीं आते हैं। ई-मित्र संचालकों व कर्मचारियों के भरोसे शिविर चल रहे हैं। कई महिनों से पट्टों को लेकर चक्कर काट रहे है।

पावटा में महंगाई राहत शिविर में लोगों के नहीं पहुंचने से कुर्सियां खाली रही।

हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

करौली, (निसं)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जिले की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता इन दिनों हड़ताल पर हैं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को करौली कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने मूल ग्रेड पे 3600, पदनाम परिवर्तन और पदोन्नति की मांग की इस दौरान महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने सरकार पर उनकी मांगों की अनदेखी करने और काम का बोझ बढ़ाने का भी आरोप लगाया महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता ज्योति, रानी जादौन, सुनीता, आशा सैन, शायना, प्रभा कौशिक, ममता, प्रियंका, सपना सहित कई अन्य महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया कि महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता वेतनमान बढ़ाने और ग्रेड पे 3600 कि लंबे समय से मांग कर रही है।

- **महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा**

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का कम मानदेय पर काम कर रही हैं जिससे उन्हें आर्थिक तंगी के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परिवर्तन करने और अन्य पदों पर पदोन्नति की मांग कर रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया कि हैं उनकी सरकार पर किसी प्रकार का आज भी भार नहीं पड़ेगा लेकिन फिर भी उनकी मांगों को नही सुना जा रहा है। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द मांग पूरी करने की गुहार लगाई है महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता गत 1 मई से लगातार हड़ताल पर चल रही हैं।

मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया।

पार्क में मिलीं नशीले पदार्थों की खाली बोतलें

अनूपगढ, (कासं)। क्षेत्र में अब नशा करने वाले लोग सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने लग गए हैं। गुरुवार अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 21 स्थित अंबेडकर पार्क में नशीले पदार्थों की खाली बोतलें मिलने पर वार्डवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए इसकी सूचना पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान को दी।

सूचना मिलने पर पालिका अध्यक्ष प्रियंका बैलान और पार्षद संजय अरोड़ा ने मौके पर पहुंचकर पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड के लोग इकट्ठा हो गए। निरीक्षण के बाद पालिकाध्यक्ष ने मौके पर पुलिस बुलाई और नशे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि इस पार्क में लगभग 6 वार्डों के लोग घूमने के लिए आते हैं। मगर आए दिन यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे महिलाओं को पार्क में घूमते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान ने बताया कि अंबेडकर पार्क में शराब और मेडिकेटेड नशे की खाली बोतलें मिली हैं और वार्डवासियों ने बताया कि यहां नशे के खाली इंजेक्शन भी मिले हैं। पालिकाध्यक्ष बैलान ने इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी। सूचना मिलने पर एसआई हंसराज और एएसआई कालूराम मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने पालिकाध्यक्ष, वार्ड पार्षद, महिलाओं और वार्ड वासियों पुलिस के समक्ष रोष प्रकट करते हुए नशे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसआई हंसराज ने बताया कि पुलिस लगातार नशे की खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस मामले में भी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने अंबेडकर पार्क में नशीले पदार्थों की खाली बोतले मिलने पर जनप्रतिनिधियों और वार्डवासियों का आश्वासन दिया है कि इस क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ा दी जाएगी और नशे के खिलाफ कार्रवाई को और भी तेज किया जाएगा।

- **लोगों ने जताया आक्रोश पालिकाध्यक्ष को मौके पर बुलाया, पुलिस से कार्रवाई की मांग की**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 19 मई, 2023

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र प्रात: 7:29 तक, शोभन योग सांय 6:16 तक, चतुष्पद करण प्रात: 9:33 तक, चन्द्रमा दिन 1:55 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज देव पितृकार्या अमावस्या, भावुका अमावस्या, बडपूजन अमावस्या, शनि जयन्ती, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:22 तक, लाभ-अमृत 7:22 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:05

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन बढ़ने का भय बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब होगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मकर
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।